राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 37 | मुंबई : बुधवार 22 जुलाई 2026 से 28 जुलाई 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

सफाई देने नहीं, हक की बात करने गया था...

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद शरद पवार ने बताया दिल्ली जाने का कारण

महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले वरिष्ठ नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एसपी के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद अपनी चुप्पी तोड दी है। अक्सर उनकी मुलाकातों को लेकर सियासी गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जाते हैं, लेकिन इस बार पवार ने खुद सामने आकर उन गंभीर मुद्दों का खुलासा किया है, जिनके कारण उन्होंने दिल्ली में प्रधानमंत्री के सरकारी निवास पर दस्तक दी।

NEET पेपर लीक और छात्रों का संघर्ष

मुलाकात के बाद शरद पवार ने बताया कि उनके दिल्ली दौरे का एक प्रमुख कारण NEET परीक्षा में हुई धांधली और उसके बाद उपजे हालात थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के सामने पेपर लीक के बाद छात्रों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों और इस दौरान पुलिस द्वारा छात्रों के साथ किए गए अनुचित व्यवहार का मुद्दा मजबूती से उठाया। पवार ने उन छात्रों पर दर्ज किए गए मुकदमों पर भी चिंता जताई जो केवल अपने भविष्य के लिए आवाज उठा रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि इस समस्या का ठोस समाधान निकाला जाए और छात्रों के हितों की रक्षा की जाए।

महाराष्ट्र के किसानों का गंभीर संकट

पवार और मोदी की इस बैठक में सबसे ज्यादा समय महाराष्ट्र के कृषि क्षेत्र की बदहाली पर चर्चा में बीता। शरद पवार ने प्रधानमंत्री को सौंपे एक विस्तृत पत्र के माध्यम से राज्य के किसानों की हृदय विदारक स्थिति बयां की। पत्र के अनुसार, महाराष्ट्र में हर तीन घंटे में एक किसान आत्महत्या कर रहा है। विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में एक साल के भीतर 2,700 से अधिक किसानों ने अपनी जान गंवाई है। पवार ने प्रधानमंत्री को बताया कि प्रशासनिक उदासीनता और नीतिगत कमियों के कारण पीड़ित परिवारों को मिलने वाली 1 लाख रुपये की सरकारी सहायता भी समय पर नहीं मिल पा रही है। टरढ की कानूनी गारंटी की मांग करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में केवल 5% से 12% उपज ही सरकारी दरों पर खरीदी जा रही है, जिससे किसानों को व्यापारियों को कम दाम पर फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

मुंबई लोकल ट्रेन में फिर हुआ हंगामा...

ट्रांसजेंडर और यात्री के बीच झगड़ा

मुंबई : मुंबई लोकल ट्रेन में देर रात बड़ा झगड़ा सामने आया है। एक वीडियो में 2 ट्रांसजेंडर और एक यात्री के बीच तीखी बहस देखी गई, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और इसने शहर की भीड़भाड़ वाली ट्रेनों में सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, झगड़े की असली वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं और फुटेज खंगाल रहे हैं, ताकि पता चल सके कि असल में क्या हुआ था।

मुंबई लोकल ट्रेनों में बढ़ती घटनाओं के बाद पुख्ता की गई सुरक्षा

यह कोई एक बार की बात नहीं है, पिछले कुछ हफ्तों में मुंबई की लोकल ट्रेनों में यात्रियों के बीच कई झगड़े और हमले दर्ज किए गए हैं। रोजाना लाखों लोग इन ट्रेनों से सफर करते हैं, इसलिए रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। वे और ज्यादा CCTV कैमरे लगा रहे हैं और पुलिस की गश्त भी बढ़ा रहे हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा पुख्ता की जा सके।

मुंबईवाले सावधान ! भारी बारिश की चेतावनी जारी...

BMC ने कहा- पानी भी उबालकर पिएं

मुंबई : महाराष्ट्र में मानसून एक बार फिर से सक्रिय हो गया है. मौसम विभाग ने 21 जुलाई के लिए महाराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. विभाग ने मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पुणे के घाट इलाके में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. बात करें मुंबई की तो यहां मंगलवार (21 जुलाई) को एक बार फिर भारी बारिश और हाई टाइड का डबल अलर्ट जारी किया गया है. भारतीय मौसम विभाग ने शहर में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है. वहीं, समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी भी दी गई है. जानकारी के अनुसार, मुंबई में शनिवार से रुक-रुक कर हल्की बारिश देखने को मिली है, लेकिन मंगलवार से हर जगह बारिश की तेजी से बढ़ने की संभावना है, जिसको लेकर मुंबई, ठाणे और पालघर में 22 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट लागू रहेगा.

मुंबई में हाई टाइड को लेकर चेतावनी जारी

मुंबई में बीती रात बहुत अधिक बारिश देखने को मिली. मंगलवार सुबह 4 बजकर 57 मिनट पर 3.42 मीटर और शाम 4 बजकर 43 मिनट पर 3.74 मीटर की हाई टाइड आ सकती है, जो दिन का सबसे ऊंची ज्वार होगी. प्रशासन ने आशंका जताई है कि यदि हाई टाइड के दौरान तेज बारिश होती है, तो मुंबई के निचले इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और लोकल ट्रेन सेवाओं पर असर पड़ सकता है. बृहन्मुंबई महानगरपालिका, पुलिस और अन्य आपदा प्रबंधन एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं. नागरिकों से भी अपील की गई है कि वो अनावश्यक रूप से समुद्र किनारे न जाएं और मौसम विभाग तथा प्रशासन द्वारा जारी सलाह का पालन करें.

मुंबई : पति ने पत्नी और बेटे पर हमला करने के बाद किया आत्महत्या का प्रयास

मुंबई : महाराष्ट्र के नासिक जिले में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सात वर्षीय बेटे पर बेरहमी से हमला किया और फिर आत्महत्या का प्रयास किया। इस जानलेवा हमले के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि वैवाहिक जीवन को लेकर बार-बार होने वाले झगड़े और कहा-सुनी को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। इस जघन्य अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पत्नी और बेटे को बुरी तरह घायल पाया। पुलिस ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घायल महिला की पहचान अश्विनी हजारे के रूप में हुई है, और उसके बेटे को पहले पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी और बेटे पर हमला किया था। किरण हजारे के रूप में पहचाने गए इस व्यक्ति ने अपनी पत्नी के सिर के पिछले हिस्से पर हमला किया, जबकि उसने अपने सात वर्षीय बेटे की गर्दन पर भी वार किया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अश्विन और किरण की शादी 2017 में हुई थी। यह दोनों की दूसरी शादी थी। किरण हजारे अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति करते थे और सोलर पैनल लगाने का व्यवसाय भी चलाते थे।

नासिक में एक और दिल दहला देने वाली घटना में जुनून के चलते हत्या का एक भयावह मामला कल सामने आया। साहिल लवारे नाम के एक व्यक्ति ने अपनी पूर्व प्रेमिका वैष्णवी की चाकू मारकर हत्या कर दी और इस घटना की जानकारी उसके मंगेतर को भी दी। यह घटना शुक्रवार रात को घटी। लवारे और वैष्णवी नासिक के इंदिरा नगर इलाके में वनसंपदा गार्डन के पास मिले। उनके बीच बहस हुई, जो लगभग 30 मिनट तक चली।

सोनम वांगचुक खत्म करेंगे अनशन, सरकार के नाम लिखा पत्र; रखी ये शर्त...

नई दिल्ली : सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने सरकार को पत्र लिखा है और ये आश्वासन दिया है कि वो अपना अनशन खत्म करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अनशन खत्म करने से पहले सोनम वांगचुक ने सरकार के सामने शर्त रखी है। सोनम वांगचुक ने पत्र में लिखा, ''मैं सरकार से सम्मानपूर्वक यह स्पष्ट आश्वासन चाहता हूं कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी को किसी दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनका एकमात्र अपराध एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा प्रणाली के लिए आवाज उठाना रहा है।''

सोनम ने आगे लिखा, ''अगर ऐसा आश्वासन दिया जाता है, तो मैं इस भरोसे के साथ अपना अनशन खत्म करूंगा कि सरकार ने न केवल मेरी अपील सुनी है, बल्कि लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को भी समझा है।''

सोनम वांगचुक ने सरकार को लिखी चिट्ठी

सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को संबोधित करते हुए चिट्ठी में लिखा, ''कल रात अस्पताल में मुझसे मिलने और मेरा अनशन खत्म करने की आपकी अपील के लिए धन्यवाद। हमारी बातचीत के दौरान, आपने मुझे भरोसा दिलाया कि सरकार इन बातों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।''

परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देना।

जवाबदेही तय करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा, जिसमें माननीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर विचार करना भी शामिल है। सोनम वांगचुक ने आगे लिखा, ''पुलिस की ज्यादती और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग के बावजूद 20 जुलाई

2026 का चलो संसद मार्च बहुत शांतिपूर्ण रहा। पूरे देश और दुनिया ने लोकतांत्रिक विरोध के प्रति उनके धैर्य और प्रतिबद्धता को देखा।''

वांगचुक ने आगे लिखा, ''मुझे पूरी उम्मीद है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में इस भरोसे को किसी भी कानूनी मामले, उत्पीड़न या इसमें शामिल लोगों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई से कमजोर नहीं किया जाएगा।''

अनशन खत्म करने के लिए सरकार के सामने रखी ये शर्त

सोनम वांगचुक ने जे. पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को अनशन को लेकर अपने फैसले के बारे में आगे बताते हुए लिखा, ''आपकी यात्रा के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों के लगभग 65 सांसदों ने मुझे पत्र लिखा है। कुछ लोग पहले ही आ चुके हैं और बाकी के आज शाम तक आने की उम्मीद है। उन सभी ने मुझसे अपना अनशन खत्म करने का आग्रह किया है और याद दिलाया है कि मुझे अभी देश की सेवा में बहुत काम करना है।''

वांगचुक ने आगे लिखा, ''मैं उनसे सहमत हूं। मैं जीना चाहता हूं। मैं अपने छात्रों, शिक्षा और उस काम में लौटना चाहता हूं, जिसने मेरे जीवन को एक पहचान दी है। लेकिन मैं उन युवाओं की कीमत पर ऐसा नहीं कर सकता जिनके लिए यह आंदोलन शुरू हुआ था।''

सोनम वांगचुक ने सरकार से अपील करते हुए लिखा, ''मैं सरकार से सम्मानपूर्वक यह स्पष्ट आश्वासन चाहता हूं कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी को किसी दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़े।''

वांगचुक ने कहा, ''अगर ऐसा आश्वासन दिया जाता है, तो मैं इस भरोसे के साथ अपना अनशन खत्म करूंगा कि सरकार ने न केवल मेरी अपील सुनी है, बल्कि लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को भी समझा है।''

बात नहीं मानी तो अनिश्चितकालीन अनशन

सोनम वांगचुक ने लिखा, ''ऐसे आश्वासन के अभाव में, मैं अनिश्चित काल तक अपना अनशन जारी रखने के लिए मजबूर हो जाऊंगा। मुझे यह भी उम्मीद है कि आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस द्वारा और अधिक बल प्रयोग नहीं किया जाएगा।''

वांगचुक ने अपनी बात पूरी करते हुए लिखा, ''हमारे लोकतंत्र का भविष्य इस बात पर निर्भर नहीं करता कि वह उनसे कैसा व्यवहार करता है जो उससे सहमत हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपने युवा नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है जब वे साहस, उम्मीद और दृढ़ विश्वास के साथ बोलने की हिम्मत करते हैं।

न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने पर विचार करें राज्य, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की आयु को 60 वर्ष से बढ़ाकर 61 वर्ष करने पर विचार करें। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया, जिसमें देशभर में जिला अदालतों के जजों की सेवानिवृत्ति आयु को 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग की गई है।

पीठ ने आदेश दिया, ''सभी

राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वे इस मामले में अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र वाले हाई कोर्ट से परामर्श करके कोई निर्णय लें। अगर वे सहमत होते हैं तो ऐसे राज्यों में न्यायिक अधिकारियों को 61 वर्ष की उम्र तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जाएगी। सेवा में बने रहने की यह अनुमति इन कानूनी कार्यवाही के अंतिम नतीजों पर निर्भर करेगी।''

यह प्रविधान एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट के जज 65 वर्ष तो हाई कोर्ट के जज 62 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि इस अंतरिम व्यवस्था का असर इस मुख्य कानूनी सवाल के अंतिम फैसले पर नहीं पड़ेगा कि क्या देशभर में जिला न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र एक समान 60 वर्ष बढ़ाकर 62 वर्ष कर देनी चाहिए।

रीढ़ की हड्डी में छिपा बैठा है कोरोना! 4800 मरीजों पर किए गए रिसर्च में बड़ा खुलासा

कोरोना महामारी के बीतने के बाद भी उसका खौफनाक साया इंसानी शरीर का पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है. बिहार के भागलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिसिन विभाग से सामने आई एक हालिया मेडिकल रिसर्च ने डॉक्टरों और आम लोगों के होश उड़ा दिए हैं. अस्पताल के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी के नेतृत्व में पिछले तीन महीनों (अप्रैल, मई और जून) के दौरान इलाज के लिए पहुंचे 4,800 मरीजों का विस्तृत परीक्षण किया गया.

मेडिकल रिसर्च में डॉक्टरों का चौंकाने वाला दावा

इस बड़े क्लीनिकल टेस्ट के दौरान 1000 से अधिक गंभीर मरीजों में 'लॉन्ग कोविड' के एक समान, बेहद जटिल और डराने वाले लक्षण पाए गए हैं. मेडिकल रिसर्च में डॉक्टरों ने चौंकाने वाला दावा किया है कि इन सभी रहस्यमयी मरीजों के शरीर में अभी भी कोरोना वायरस के खतरनाक अवशेष मौजूद हैं, जो इंसानी दिल, फेफड़े, पेट की परतों और यहां तक कि रीढ़ की हड्डी के आसपास के अंदरूनी टीश्यूज से बहुत ही मजबूती के साथ चिपके हुए हैं.

इस शोध में यह साफ हुआ है कि लॉन्ग कोविड का यह खतरनाक असर उन लोगों में भी मिला है, जिन्होंने वैक्सीन ली थी और जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी. यानी वैक्सीन लेने वाले भी इसके प्रभाव से बच नहीं पाए हैं. राहत की बात बस इतनी है कि डॉक्टरों के इस पूरे शोध में यह स्थिति फिलहाल जानलेवा नहीं दिखी है, लेकिन यह मरीजों को लंबे समय तक बीमार रख रही है. शरीर में छिपकर रहने वाले कोरोना वायरस के ये घातक और निष्क्रिय अवशेष भविष्य में अनुकूल मौसमी परिस्थितियां मिलते ही दोबारा से सक्रिय होकर शरीर को बीमार कर देते हैं.

सऊदी अरब पहुंचे एनएसए अजीत डोभाल, 6 महीने में तीसरा दौरा, पाकिस्तान, ईरान या हूती, मामला क्या है?

रियादः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल सऊदी अरब के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने विदेश मंत्री शहजादे फैसल बिन फरहान से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सहित क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की। डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से ही बंद है और अब हूतियों ने सऊदी अरब की नौसैनिक घेराबंदी कर दी है। इस वर्ष डोभाल की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा है मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ''दोनों पक्षों ने क्षेत्र के ताजा घटनाक्रमों तथा ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों पर भी चर्चा की।'' इस बैठक में सऊदी अरब के राजनीतिक मामलों के उप विदेश मंत्री सऊद अल-साती भी मौजूद थे।

डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ ''''समुद्री नाकाबंदी'''' की घोषणा करते हुए बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी अरब के जहाजों को रोकने की बात कही है।

हूतियों का दावा है कि यह कदम यमन के उनके नियंत्रण वाले क्षेत्रों के बंदरगाहों और हवाई अड्डों की कथित नाकाबंदी के जवाब में उठाया गया है।

सऊदी अरब ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप अपने जहाजों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। अमेरिका और ईरान में फिर से लड़ाई शुरू होने से होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन फिर बंद हो गया है। इस कारण भारत के ऊर्जा आयात को तगड़ा झटका लगा है। होर्मुज से हर साल दुनिया का 20 प्रतिशत कच्चा तेल गुजरता है। इसका बड़ा हिस्सा भारत आता है। होर्मुज के बंद होने से भारत में तेल और प्राकृतिक गैस का संकट खड़ा हो गया है। हालांकि, सरकार ने अपन ऊर्जा आयात को ग्लोबलाइज कर इस संकट को कम करने की कोशिश की है।

पिछले साल पाकिस्तान और सऊदी अरब ने रक्षा समझौता किया था। इस समझौते के तहत एक देश पर हमला दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। इस कारण दोनों देशों के संबंध एक अलग स्तर पर पहुंच गए हैं। इससे भारत की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि सऊदी अरब न सिर्फ तेल और गैस का एक बड़ा उत्पादक देश है, बल्कि मुस्लिम वर्ल्ड में उसकी ताकत भी काफी ज्यादा है।

मुंबई : मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए बनेगी कार्य योजना, सीएम फडणवीस ने दिए कड़े निर्देश

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में मराठी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक उपयोग को लेकर संबंधित विभागों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक और समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाए, ताकि शासन-प्रशासन, शिक्षा, तकनीक और सार्वजनिक जीवन में मराठी का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान और विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए इसके प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से काम करना होगा। तैयार होगी विस्तृत कार्य योजना मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार संबंधित विभाग मराठी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करेंगे। इसमें विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं में मराठी के अधिकतम उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

योजना में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकारी योजनाओं, सूचनाओं और सेवाओं तक आम नागरिक अपनी मातृभाषा में आसानी से पहुंच सकें। सरकारी कामकाज में बढ़ेगा मराठी का उपयोग सरकार का उद्देश्य है कि सरकारी पत्राचार, अधिसूचनाएं, वेबसाइट, डिजिटल सेवाएं और नागरिक सुविधाएं अधिक से अधिक मराठी भाषा में उपलब्ध हों। इससे आम लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी और भाषा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा विभिन्न विभागों को मराठी में दस्तावेज तैयार करने और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया जा सकता है।

शिक्षा और तकनीक पर रहेगा फोकस

कार्य योजना में स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में मराठी भाषा के अध्ययन और उपयोग को प्रोत्साहित करने के उपाय भी शामिल किए जा सकते हैं। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप्लिकेशन और ई-गवर्नेंस सेवाओं में मराठी सामग्री की उपलब्धता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल माध्यमों में किसी भाषा की मजबूत उपस्थिति उसके दीर्घकालिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी साहित्य, लोककला, नाटक, संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और प्रचार के लिए भी ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इसके लिए साहित्यकारों, शिक्षाविदों और सांस्कृतिक संस्थाओं के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। विभागों को दिए गए निर्देश बैठक के दौरान संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी कार्ययोजना तैयार कर सरकार को प्रस्तुत करें। साथ ही विभिन्न योजनाओं की नियमित समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाए कि तय किए गए लक्ष्य समय पर पूरे हों।

आम लोगों को होगा लाभ

मराठी भाषा के अधिक उपयोग से नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी अपनी मातृभाषा में आसानी से मिल सकेगी। इससे प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद भी अधिक प्रभावी होने की उम्मीद है।

मुंबई : अरब सागर में उठेंगी ऊंची लहरें, मछुआरों को नहीं जाने की हिदायत

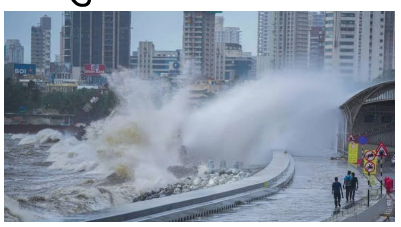

मुंबईः महाराष्ट्र राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने अरब सागर में उंची लहरें उठने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। साथ ही तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। अरब सागर में महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में हाई टाइड के दौरान उंची लहरे उठेंगी और समंदर खतरनाक स्थिति में रहेगा। आपदा प्रबंधन ने साफ किया है कि अरब सागर में कम तीव्रता वाले भूकंप के कारण कोई समुद्री खतरा नहीं है. हाई टाइड के समय मछुआरों से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने से बचने, नावों, ट्रॉलरों, मछली पकड़ने के उपकरणों को किनारे पर सुरक्षित रूप से बांधकर रखने कहा गया है। तटीय निवासियों, पर्यटकों और बच्चों को बीच या चट्टानी इलाकों में न जाने की सलाह दी गई है। स्थानीय मत्स्य पालन विभाग, तटीय प्रशासन और मौसम विभाग की ओर से समय-समय पर जारी निदेर्शों का पालन करने का सुझाव दिया गया है।

शनिवार सुबह वसई-विरार तट से करीब 57 किमी दूर अरब सागर में 5 किमी की गहराई पर कम तीव्रता का भूकंप आया था। स्पष्ट किया गया है कि इससे सुनामी का कोई खतरा नहीं है। सुबह 9:33 बजे रिक्टर स्केल पर 3.2 तीव्रता का भूकंप मापा गया था। इस भूकंप के झटके जमीन पर कहीं भी महसूस नहीं हुए और किसी नुकसान की खबर नहीं है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने भी साफ किया है कि लोग अफवाहों पर विश्वास न करें। इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इंफॉर्मेशन सर्विसेज ने कोई सुनामी चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया है।

मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में भी 15 दिनों के लिए धारा 144 लागू

मुंबई : पुणे के बाद अब मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में भी 15 दिनों के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 23 जुलाई 2026 की रात 12:01 बजे से प्रभावी होकर 6 अगस्त 2026 की रात 12:00 बजे तक लागू रहेगा। मुंबई पुलिस की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सार्वजनिक शांति बनाए रखने और शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। पुलिस को आशंका है कि कुछ परिस्थितियों में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने, विरोध प्रदर्शन या अन्य गतिविधियों से कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसी को देखते हुए एहतियात के तौर पर धारा 144 लागू की गई है।

आदेश के तहत मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में बिना अनुमति पांच या उससे अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा बिना अनुमति जुलूस निकालने, सभा करने, प्रदर्शन आयोजित करने और ऐसी किसी भी गतिविधि पर रोक रहेगी, जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना हो। पुलिस प्रशासन ने बताया कि यह फैसला किसी एक घटना को लेकर नहीं बल्कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और यहां हर दिन लाखों लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में किसी भी बड़ी भीड़ या प्रदर्शन से यातायात व्यवस्था और आम जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

देश के कई हिस्सों में इन दिनों अलग-अलग मुद्दों को लेकर आंदोलन और विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। सामाजिक संगठनों, छात्र समूहों और अन्य संगठनों की ओर से भी कई मुद्दों पर प्रदर्शन की तैयारियां की जा रही हैं। महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों में संभावित विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। मुंबई के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। पुलिस अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रखेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी निगरानी रखी जाएगी, ताकि अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने वाली गतिविधियों को रोका जा सके।

इससे पहले पुणे शहर में भी इसी तरह के प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए थे। अब मुंबई में भी धारा 144 लागू होने के बाद राज्य के प्रमुख शहरों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे जारी आदेशों का पालन करें और बिना अनुमति किसी भी तरह की सभा या प्रदर्शन का हिस्सा न बनें। पुलिस ने कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए निर्धारित नियमों और अनुमति प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। धारा 144 के उल्लंघन पर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि यह केवल एक एहतियाती कदम है, जिसका उद्देश्य शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना है। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद परिस्थितियों की समीक्षा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

मुंबई :समुद्री अपराध पर बड़ा एक्शन, उम्रकैद की सजा...

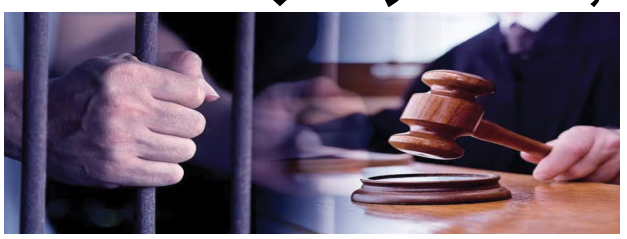

मुंबई : समुद्री सुरक्षा से जुड़े एक बड़े मामले में मुंबई की विशेष अदालत ने सख्त फैसला सुनाते हुए 44 सोमाली समुद्री डाकुओं को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने समुद्री डकैती, अपहरण और हत्या की कोशिश जैसे गंभीर अपराधों को देखते हुए दोषियों की दया याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले के जरिए अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया कि समुद्री अपराधों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के प्रति कानून किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतेगा।

विशेष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि सभी दोषियों के खिलाफ समुद्री डकैती निरोधक कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए और भारतीय कानून की संबंधित धाराओं के तहत अपराध साबित हुए हैं। विशेष जज संजय दिघे ने कहा कि आरोपियों द्वारा किए गए अपराध बेहद गंभीर प्रकृति के हैं, जिनका असर केवल एक व्यक्ति या जहाज तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था प्रभावित होती है।

अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में आरोपियों की व्यक्तिगत परेशानियों को सजा कम करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। दोषियों ने अदालत से अपील की थी कि भारतीय जेल में रहने के दौरान उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भाषा, खान-पान और संस्कृति अलग होने के साथ-साथ परिवार और परिचितों से दूर रहने की परेशानी का हवाला देते हुए सजा में नरमी बरतने की मांग की थी।

संपादकीय...

पीएम आवास तक तकरार...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पेपरलीक आंदोलन, तकरार और विरोध-प्रदर्शन प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गया। यकीनन यह चौंकाने वाला यथार्थ है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ स्वीकार नहीं है। यह दंडनीय अपराध है। राजधानी दिल्ली में आंदोलन के स्थान चिह्नित हैं। पेपरलीक और युवाओं के भविष्य पर कोई तकरार है, तो उसके लिए संसद का मंच है। कमोबेश संसद में विपक्ष हंगामा करने, नारेबाजी, हुल्लड़बाजी से बाज आएगा, तो सदन में इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। यह आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी तक ने दिया है और एनडीए सांसदों को संबोधित करते हुए भी आश्वस्त किया है कि पेपरलीक के ह्यमाफियाह्ल को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोपित जेल में भी हैं। संसद सत्र जारी है, लेकिन कार्यवाही बंजर है, क्योंकि विपक्ष को हंगामा करना ही विशेषाधिकार लगता है। बहरहाल संसद के दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे-ने स्थापित कानून को तोड़ा है। खडगे का सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग है, जो प्रधानमंत्री आवास से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है। 21 जुलाई को खडगे का 84वां जन्मदिन था, लिहाजा नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के अलावा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य महत्वपूर्ण चेहरे खडगे के आवास पर जुटे थे। संभवतः वहीं रणनीति तय हुई और कांग्रेसी पैदल चल कर ही प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गए। दलील दी गई कि प्रधानमंत्री संसद में नहीं आ रहे हैं, लिहाजा हम उनसे मिलने आए हैं।

यह कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं। यह धरना सुरक्षा-व्यवस्था का घोर उल्लंघन था। चूंकि अधिकतर सांसद थे, लिहाजा वे संसद भवन में ही निश्चित स्थान पर धरना और नारेबाजी कर सकते थे। प्रधानमंत्री आवास की वह दहलीज ह्यउच्चतम सुरक्षाह्ल क्षेत्र है, लिहाजा ह्यअति संवेदनशीलह्ल भी है। वहां से प्रधानमंत्री का काफिला ही आ-जा सकता है। वीवीआईपी मेहमान भी उसी रास्ते से प्रधानमंत्री से मुलाकात करने आते हैं। सवाल है कि क्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इस धरने की भनक तक नहीं लगी? प्रधानमंत्री को पल-पल की खबर दी जाती है, फिर इतनी चूक कैसे हो गई? बहरहाल आजादी के बाद सिर्फ दो बार प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शनबाजी की गई है, लेकिन दोनों बार ह्यनेता प्रतिपक्षह्ल शामिल नहीं थे।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : बिना OTP के 10 करोड़ रुपये की ठगी!

मुंबई में 'बॉस स्कैम' का भंडाफोड़, ऐसे मिटाते थे सबूत

मुंबई : साइबर ठगों ने अब लोगों को लूटने का एक नया और हाईटेक तरीका निकाल लिया है. मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे ही इंटरस्टेट साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसने देश की एक बड़ी कंपनी को 10 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक का चूना लगा दिया. मुंबई पुलिस ने इस नए साइबर फ्रॉड को ह्लबॉस स्कैमह्ल नाम दिया है. इस मामले में दक्षिण साइबर पुलिस स्टेशन (क्राइम ब्रांच) ने कार्रवाई करते हुए 3 राज्यों से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह के मास्टरमाइंड की तलाश अभी जारी है.

सायबर सेल के डीसीपी बजरंग बनसोड़े ने बताया कि इस ठगी की सबसे खास बात यह थी कि इसमें शिकार को न तो कोई फिशिंग लिंक भेजा गया, न ही डळढ या बैंकिंग डिटेल मांगी गई. ठगों ने सिर्फ 'भरोसे' को अपना हथियार बनाया. ठगों ने कंपनी के डायरेक्टर की

फोटो लगाकर एक फर्जी हँ३२अस्त्रस्त्र अकाउंट बनाया. इस नंबर से कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी को मैसेज भेजा गया, जिसमें लिखा था कि 'डायरेक्टर' एक अहम मीटिंग में व्यस्त हैं और कुछ बेहद जरूरी भुगतान तत्काल प्रभाव से करने हैं.

अधिकारी ने डायरेक्टर का मैसेज समझकर बिना कोई शक किए, अलग-अलग बैंक खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर कर दिए. जब तक अधिकारी का संपर्क असली डायरेक्टर से हुआ, तब तक कंपनी के खाते से 10.40 करोड़ रुपये उड़ चुके थे.

3 राज्यों में छापेमारी, 5.63 करोड़ रुपये कराए गए फ्रीज

मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी और बैंकिंग ट्रेल की बारीकी से जांच की गई. पुलिस ने महाराष्ट्र के जालना, बिहार के सीवान और दिल्ली में एक साथ छापेमारी कर 7 आरोपियों को धर दबोचा. पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए 5 करोड़ 63 लाख 98 हजार रुपये से अधिक की रकम विभिन्न बैंक खातों में फ्रीज करवा दी है.

जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि गिरोह के सदस्य ठगी की रकम को ट्रेस होने से बचाने के लिए उसे कई बैंक खातों में घुमाते थे. इसके बाद, उस रकम से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और महाराष्ट्र के कई नामी ज्वेलर्स से सोना खरीदा जाता था, ताकि मनी ट्रेल को पूरी तरह खत्म किया जा सके. पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड समेत कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं.

पुलिस की कंपनियों से अपील

पुलिस का मानना है कि इस गिरोह का नेटवर्क बहुत बड़ा है और इसमें कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं. पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इसी ह्लबॉस स्कैमह्ल के जरिए अन्य कंपनियों को भी निशाना बनाया गया है. मुंबई पुलिस ने अपील की है कि किसी भी वरिष्ठ अधिकारी के नाम से आने वाले वित्तीय लेन-देन या भुगतान संबंधी निदेशों की कॉल करके पुष्टि जरूर करें, बिना पुष्टि के फंड ट्रांसफर न करें.

मुंबईः खतरा महसूस होते ही थम जाएगी मोनोरेल,

नई तकनीक से हादसों पर लगेगी रोक

मुंबईः मुंबई की मोनोरेल की सुरक्षा पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन अब मोनोरेल हाईटेक तकनीक के नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। अत्याधुनिक कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल प्रणाली से लैस 10 नए रेक अंतिम परीक्षण के दौर से गुजर रहे हैं। अब खतरे के भांपते ही मोनोरेल में ऑटोमैटिक ब्रेक लगेगा और ट्रेन समय रहते रूक जाएगी। सीबीटीसी तकनीक में मोनोरेल रेक आपस में लगातार संवाद करते हुए एक-दूसरे की स्थिति और दूरी पर नजर रखते हैं। दो रेकों के बीच की कम होने पर सिस्टम खुद गति नियंत्रित कर आवश्यकता पड़ने पर अपने आप ब्रेक लगा देता है। इससे दुर्घटना की आशंका काफी कम हो जाती है। फिलहाल सभी रेकों का तकनीकी और सुरक्षा परीक्षण जारी है। सभी मानकों पर सफल होने और संभावित खामियां दूर होने के बाद ही इन्हें नियमित सेवा में शामिल किया जाएगा। नई सीबीटीसी तकनीक मोनोरेल संचालन को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और स्मार्ट बनाएगी। यदि दो रेकों के बीच की दूरी निर्धारित सुरक्षा सीमा, यानी लगभग 200 से 500 मीटर से कम होने लगती है, तो प्रणाली खुद सक्रिय होकर मोनोरेल की गति नियंत्रित करेगी। आवश्यकता पड़ने पर बिना चालक के हस्तक्षेप के स्वतः ब्रेक भी लगा देगी। इससे टक्कर जैसी दुर्घटनाओं की संभावना काफी कम हो जाएगी और संचालन की विश्वसनीयता बढ़ेगी। मोनोरेल अधिकारियों के अनुसार नए रेकों में केवल आधुनिक तकनीक ही नहीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसी कारण प्रत्येक रेक का विभिन्न परिस्थितियों में परीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी खामी या प्रणालीगत त्रुटि का समय रहते पता लगाया जा सके।

ठाणे : झुग्गी पुनर्वास योजना में फर्जी नामों की जांच की मांग, विधायक केलकर सक्रिय

ठाणे : ठाणे शहर के सुभाषनगर में कई सालों से रुकी हुई स्कीम झोपड़ी पुनर्वास प्राधिकरण में फर्जी लोगों के नाम डाल दिए गए हैं इन आरोपों को ठाणे शहर विधायक संजय केलकर ने इसकी जांच की मांग की है। केलकर ने आज यह भी बताया कि कई सालों से किराया बकाया रखने वाले असली लोगों को न्याय दिलाने के लिए अगले हफ्ते अधिकारियों के साथ मीटिंग की जाएगी। खोपट में बीजेपी कार्यालय में हुए 113वें जनसेवाकच जनसंवाद प्रोग्राम में सुभाष नगर के लोगों ने ठाणे विधायक संजय केलकर से मिलकर एक बयान दिया। इस बयान के मुताबिक, इस इलाके में एसआरए प्रोजेक्ट चल रहा है और लोग दूसरी जगह किराए पर रह रहे हैं। लेकिन, डेवलपर ने न सिर्फ लोगों को दो-तीन साल से किराया नहीं दिया है, बल्कि निर्माण कार्य भी शुरू नहीं हुआ है। खास बात यह है कि असली लोगों ने आरोप लगाया है कि इस स्कीम में करीब 400 से 500 लोगों के फर्जी नाम डाले गए हैं।

इस पर बात करते हुए, विधायक केलकर ने कहा कि वे अगले हफ्ते एसआरए अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे ताकि जिन लोगों के साथ धोखा हुआ है, उन्हें राहत मिल सके और वे फर्जी लोगों के मामले की जांच की भी मांग करेंगे। एक डेवलपर के खिलाफ चार शिकायतें मिली हैं और अगर उसने समय पर सही कदम नहीं उठाए, तो वे लोगों के साथ मिलकर इकोनॉमिक ऑफिंस ब्रांच में केस दर्ज कराएंगे, ।विधानसभा सत्र में लोगों को धोखा देने वाले डेवलपर्स के खिलाफ एमपीआईडी के तहत कार्रवाई की मांग की गई और हाल ही में वर्तकनगर में एमपीआईडी के लोगों को धोखा देने वाले एक डेवलपर को गिरफ्तार किया गया है। इसलिए, डेवलपर्स को समय पर लोगों को राहत देनी चाहिए और एस. आर. ए.अधिकारियों को भी डेवलपर के साथ मिलीभगत किए बिना लोगों के लिए काम करना चाहिए, । ठाणे विधायक केलकर पुणे के इन्वेस्टर प्रोग्राम में शामिल हुए उन्होंने कहा कि जिन्हें पोंजी स्कीम में धोखा मिला था, उन्होंने भी एक बयान दिया।

मुंबई की 35 लाख ऐमजॉन की नौकरी छोड़ सान्या देशमुख ने पुणे में चुना नया रास्ता

मुंबई: सान्या देशमुख एक ऐसा नाम बन चुकी हैं जो अपने करियर में एक बड़ा बदलाव लाने के लिए जानी जा रही हैं। उन्होंने एक शानदार नौकरी और भव्य जीवन को त्यागते हुए एक नई दिशा चुनी है। सान्या के पास मुंबई की ऐमजॉन में 35 लाख रुपये का सालाना पैकेज था। लेकिन रुतबेदार जीवन से दूर, उन्होंने अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी।

मुंबई की भागदौड़ से मिली राहत

सान्या को धीरे-धीरे महसूस हुआ कि मुंबई की तेज रफ्तार ज़िंदगी उनके लिए सही नहीं है। लगातार बढ़ते तनाव के कारण उन्होंने सोच-समझकर यह निर्णय लिया। अब वह नासिक में अपने बिजनेस पार्टनर के साथ मिलकर डिजिटल मार्केटिंग का काम करती हैं। यह उनके लिए एक नया और संतोषजनक अनुभव है।

नई शुरूआत का अनुभव

डिजिटल मार्केटिंग का काम उन्हें अपने सपनों को साकार करने का मौका दे रहा है। सान्या ने बताया कि वह अब अपने समय का बेहतर उपयोग कर पा रही हैं। वह अपने काम को प्यार करती हैं

और यह उन्हें सच्ची खुशी देता है। यह बदलाव न केवल उनके लिए, बल्कि उनके परिवार के लिए भी सकारात्मक रहा है।

काम और परिवार का बैलेंस

सान्या के अनुसार, नासिक में रहने से उन्होंने अपने परिवार के साथ समय बिताने और उनके साथ मजबूत बंधन बनाने का अवसर पाया है। तनाव मुक्त माहौल में वह न केवल अपना काम कर रही हैं, बल्कि अपने परिवार का भी समर्थन कर रही हैं। यह बैलेंस उनकी जिंदगी को सुखद बना रहा है।

सकारात्मकता की ओर कदम

आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ, सान्या महसूस करती हैं कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने करीबी दोस्तों और परिवार वालों को ये बातें साझा की हैं, ताकि वे भी इस बदलाव की प्रेरणा लें। उनका मानना है कि जीवन में खुश रहना सबसे बड़ा धन है।

डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया

सान्या ने डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में रचनात्मकता और तकनीकी ज्ञान को जोड़ते हुए एक नया रास्ता चुना है। वह अपने ग्राहकों के साथ मिलकर हर दिन कुछ नया करने का प्रयास कर रही हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी पहचान बनाने के लिए सान्या अब सच्चे जूनून के साथ काम कर रही हैं। सान्या का यह निर्णय न केवल उनके लिए, बल्कि उन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है जो अपनी नौकरी से संतुष्ट नहीं हैं।

मुंबई में छाता चोरों के आतंक से लोग परेशान, पुलिस भी हो गई हैरान

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से चोरी का ऐसा मामला सामने आ रहा है जिसके बारे में सुनकर हर कोई हैरान हो गया है। दरअसल, मुंबई के चारकोप पुलिस स्टेशन की हद में दुकानदार सीरियल छाता चोरों से परेशान हो गए हैं। जब पुलिस को इस बारे में पता लगा तो पहली बार में उन्हें भी ये मजाक लगा। हालांकि, फिर पुलिस की ओर से मामले में FIR दर्ज हुई। चोरी की ये वारदातें सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई हैं जिनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

क्या है पूरा मामला?

वैसे तो पिछले कुछ दिनों में मुंबई की बारिश ने आम जनता को परेशान किया है; लेकिन मुंबई के चारकोप इलाके में कुछ दुकानों में एक के बाद एक छाता चोरों के आतंक ने उन्हें परेशान कर रखा है इस मामले को लेकर शुरूआत में जब एक दुकानदार ने मुंबई पुलिस से संपर्क कर उन्हें अपनी शिकायत बताई तो पुलिस भी हैरान रह गई और कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। लेकिन इसके बाद 16 तारीख को एक बार फिर इस प्रकार की घटना होने के बाद अंपल कलेक्शन नाम की दुकान के मालिक ने चारकोप पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज कराई।

दुकान से सन कंपनी के 50 छाते चुराए

दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पता चला कि अज्ञात चोरों ने दुकान से सन कंपनी के 50 छाते चुराए जिसकी अनुमानित कीमत ₹15000 बताई जा रही है,वहीं एक अन्य दुकान सनी गिफ्ट सेंटर के मालिक ने भी पुलिस के पास इसी प्रकार की घटना की शिकायत दर्ज कराई है। छाता चोरी करते हुए चोरों का सीसीटीवी फुटेज सामने आ गया है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले तीन अलग-अलग सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। जिनमें अज्ञात चोर छाता चोरी करते नजर आ रहे हैं।

वाशिम में भी चोरी की वारदात

आपको बता दें कि इससे पहले महाराष्ट्र के वाशिम जिले से भी एक हैरान करने वाला मामला सामने आया था। यहां एक चोर साईं मंदिर में चोरी करने के लिए घुसा और चोरी की घटना को अंजाम देने से पहले उसने साईं बाबा के दर्शन किए। ये पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी भी रिकॉर्ड हो गई है। इसके बाद चोर ने मंदिर का ताला तोड़कर दानपेटी में रखी नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

इंडियन आर्मी और CISF ने काउंटर-टेररिज्म की तैयारी बढ़ाने के लिए जॉइंट ट्रेनिंग पूरी की

पुणे : इंडियन आर्मी के इंटर-एजेंसी सिनर्जी को मजबूत करने और नेशनल सिक्योरिटी के लिए पूरे देश के नजरिए को आगे बढ़ाने के लगातार कमिटमेंट के हिस्से के तौर पर, डिफेंस ढफ्ड के मुताबिक, सदर्न कमांड ने पुणे के औंध मिलिट्री स्टेशन पर सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के साथ दो हफ़्ते का जॉइंट ट्रेनिंग कैप्सूल सफलतापूर्वक पूरा किया। मिलिट्री-सिविल फ्यूजन के फ्रेमवर्क के तहत हुई इस ट्रेनिंग का मकसद इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाना, बेस्ट प्रैक्टिस का आदान-प्रदान करना और शहरी माहौल और इंटरनल सिक्योरिटी कंटिंजेंसी में काउंटर-टेररिज्म

ऑपरेशन के लिए तैयारी को मजबूत करना था। कुल 102 उक्त्रः कर्मियों, जिनमें 10 महिला लड़ाके शामिल थीं, ने इंडियन आर्मी के सैनिकों के साथ इंटेंसिव सिनेरियो-बेस्ड एक्सरसाइज की एक सीरीज में ट्रेनिंग ली। कैप्सूल में शहरी काउंटर-टेररिज्म ड्रिल, टैक्टिकल प्रोसीजर, रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल और रियलिस्टिक ऑपरेशनल सिनेरियो में जॉइंट ऑपरेशनल कॉन्सेप्ट को वैलिडेट करने पर

फोकस किया गया। पार्टिसिपेंट्स को आज की सिक्योरिटी चुनौतियों के बारे में भी कीमती जानकारी मिली, जिससे बदलते खतरों के लिए कोऑर्डिनेटेड रिस्पॉन्स की एक आम समझ बन पाई। जॉइंट ट्रेनिंग से एजेंसी के बीच तालमेल काफी बेहतर हुआ, जॉइंट ऑपरेशनल क्षमताएं बेहतर हुईं और इंडियन आर्मी और उक्त्रः के बीच आपसी भरोसा मजबूत हुआ। यह इंडियन आर्मी के इस कमिटमेंट को पक्का करता है कि वह बिना रुकावट मिलिट्री-सिविल सहयोग को बढ़ावा दे और नेशनल सिक्योरिटी के मकसदों के सपोर्ट में उभरती सिक्योरिटी चुनौतियों से असरदार तरीके से निपटने के लिए इंटीग्रेटेड क्षमताएं बनाए।

बेस्ट की 34% वेट लीज बसों में ब्रेक और स्टीयरिंग की खामियां आई सामने, मुंबईकर की सुरक्षा पर उठे सवाल

मुंबई: हाल ही में बेस्ट (बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) के वेट लीज बसों के एक्सीडेंट के कई मामले सामने आए हैं। इसने वेट लीज बसों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाएं हैं इसी को ध्यान में रखते हुए बेस्ट समिति के सदस्य नितिन नांदगांवकर ने अप्रैल में वेट लीज बसों की ब्रेक प्रणाली और स्टीयरिंग सिस्टम में आ रही खामियों का मुद्दा उठाया था। इसके बाद सभी बसों की जांच की गई थी। 17 जुलाई को जारी किये गए लेटर में पाया गया कि वेटली की 34% बसों में समस्या पाई गई थी। इनमें से फिलहाल 30% गाड़ियों की मरम्मत कर उसे फिर रोड पर भेजा गया है और 4% गाड़ियों की

जांच अब भी जारी है।

बेस्ट रिपोर्ट में बताया गया है कि वेटलीज की कुल 2,553 वेट लीज बसों के ब्रेक और स्टीयरिंग प्रणाली की जांच की गई। इनमें से 1,684 बसों में किसी प्रकार की तकनीकी खराबी नहीं मिली। लेकिन 868 बसों में ब्रेक और स्टीयरिंग से जुड़ी गंभीर कमियां पाई गईं। इनमें से 774 बसों की मरम्मत पूरी कर उन्हें फिर से सेवा में शामिल कर दिया गया है, जबकि 94 बसों की मरम्मत का काम अभी जारी है, जो कि बीते 3 महीनों से हो रहा है। जिसका पेनल्टी को लेकर भी कोई जवाब नहीं है। इस मामले पर नितिन नांदगांवकर का कहना है कि जो 774 बसों को उन्होंने मरम्मत कर रास्तों पर फिर से भेजा है, क्या उन ही बसों का तो एक्सीडेंट नहीं हो रहा है, जिसका जवाब इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट नहीं दे रहा है। साथ ही 94 बसों ऐसी कौन सी समस्या है, जिसे दुरुस्त करने के लिए 3 महीने से अधिक समय लग रहा है। तो वहीं बेस्ट प्रशासन का कहना है कि वेट लीज ऑपरेटरों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी तकनीकी खामी को नजरअंदाज न किया जाए और समय पर मरम्मत कराई जाए।

मुंबई में बेस्ट की बस का ब्रेक फेल, पुल की रेलिंग से टकराई, पैदल यात्री की मौत!

ड्राइवर- कंडक्टर समेत 10 घायल...

मुंबई: मानखुर्द ब्रिज पर बेस्ट बस के ब्रेक फेल होने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में एक पैदल यात्री की मौत हो गई, जबकि बस ड्राइवर, कंडक्टर और यात्रियों समेत 10 लोग घायल हो गए। घायलों में एक यात्री की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दुर्घटना सुबह करीब 8:30 बजे हुई। प्रतिक्षानगर (मातेश्वरी) डिपो की बस (क्रमांक MH-01 EM-3777) कुर्ला (पूर्व) बस स्टेशन से ऐरोली जा रही थी।

बस के ब्रेक हुए फेल

चालक के अनुसार, मानखुर्द

ब्रिज पर अचानक बस के ब्रेक फेल हो गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर ब्रिज की रेलिंग से टकरा गई। इस दौरान ब्रिज पर खड़े 62 वर्षीय भास्कर रावसाहेब कागदे बस की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में उनके शव को आगे की कार्रवाई के लिए राजावाड़ी अस्पताल भेजा गया।

हादसे में बस के ड्राइवर बनवारीलाल शर्मा (49) और कन्डक्टर वैभव सुखदेव वाघमारे (41) सहित आठ यात्री घायल हुए। घायलों में शिवमंगल मैथी, गणेश पटेल (गंभीर स्थिति), लता वागेला, राजेश वरुगणिये, अंकिता जाधव, रंजना घोरपडे, शंकर साठे और संकेत नाकती शामिल हैं। यात्रियों को पुलिस की मदद से शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि ड्राइवर- कन्डक्टर का इलाज राजावाड़ी अस्पताल में चल रहा है।

चीन संग 100 अरब पहुंचा व्यापार घाटा तो ऐक्शन में जयशंकर

भारत ने ड्रैगन के सामने रखीं नई शर्तें

मनीला: भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच फिलीपींस की राजधानी मनीला द्विपक्षीय बैठक हुई है। इस दौरान जयशंकर ने कहा है कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि दोनों देशों को अपने रिश्तों के अहम पहलुओं, खासकर निष्पक्ष मार्केट में पैठ और व्यापार संतुलन पर ध्यान देने की जरूरत है। मनीला में एक क्षेत्रीय बैठक के दौरान वांग यी से मिलने के बाद एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा ''सप्लाई चेन की भविष्य में आपूर्ति की निश्चितता को लेकर भी चिंताएं हैं।''

इसके अलावा जयशंकर ने ये भी कहा कि सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता सामान्य संबंधों के लिए जरूरी शर्त है। अक्टूबर 2024 से दोनों पक्ष इस अहम मकसद को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। इस पर हमें लगातार ध्यान देने की जरूरत बनी रहेगी। वहीं भारत की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में चीन को ब्रिक्स के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया है। प्रेस रिलीज के मुताबिक जयशंकर ने वांग यी से कहा ''इस साल भारत ब्रिक्स का अध्यक्ष है। मैं इस मौके पर चीन की तरफ से हमारी अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स की विभिन्न गतिविधियों और

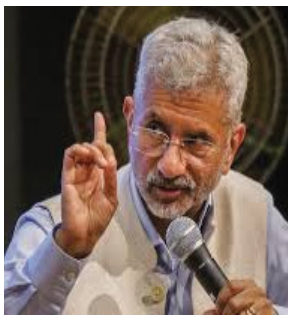

पहलों को दिए गए समर्थन की सराहना करना चाहता हूं।''

चीन के सामने जयशंकर की दो टूक!

जयशंकर ने कहा ''हमें अपनी आपसी प्राथमिकताओं के आधार पर अलग-अलग मैकेनिज्म और प्लेटफॉर्म की बैठकों पर भी सहमति बनानी होगी।'' यह बैठक भारत-चीन संबंधों में धीरे-धीरे आ रहे सुधार के माहौल में हुई जिसमें दोनों पक्षों ने सालों के तनाव के बाद राजनयिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों को बहाल करने के लिए कदम उठाए हैं।

जयशंकर ने वांग यी से कहा कि बाजार में निष्पक्षता के साथ बैठ और संतुलित व्यापारिक संबंध उन अहम मुद्दों में शामिल हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। चीन भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल, दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और अन्य औद्योगिक सामान का एक प्रमुख स्रोत है। भारतीय कारोबारियों की लंबे समय से यह मांग रही है कि उन्हें चीन के बाजार में फार्मास्यूटिकल्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कृषि उत्पादों और इंजीनियरिंग के सामान जैसे सेक्टरों के लिए ज्यादा पहुंच मिले।

भारत और चीन में सुधर रहे हैं संबंध

दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है ''अक्टूबर 2024 में कजान में हमारे नेताओं की मीटिंग के बाद से भारत और चीन के बीच संबंध धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। पिछले अगस्त में तियानजिन में उनकी मुलाकात के दौरान इस दिशा को और पक्का किया गया था।'' इसमें आगे कहा गया है ''हमारा मानना है कि आपसी सम्मान आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर एक स्थिर और सहयोगात्मक रिश्ता सबसे अच्छा बन सकता है। ऐसा रिश्ता मल्टी-पोलर एशिया और मल्टी-पोलर दुनिया में अहम योगदान दे सकता है।''

गहरी दोस्ती में दरार, खतरे में अरबों डॉलर

बलूचिस्तान तोड़ देगा चीन-पाकिस्तान का ''आयरन ब्रदरहुड''?

इस्लामाबाद: चीन की कंपनी सैनडैक मेटल्स लिमिटेड ने चेतावनी दी है कि अगर जुलाई के अंत तक बलूचिस्तान में बढ़ते ''आतंकी हमलों'' को नहीं रोका गया तो वो अपना कारोबार समेट लेगी। ये पाकिस्तान की सबसे बड़ी चीनी संचालित कॉपर और गोल्ड माइन कंपनी है। यह पाकिस्तान सरकार की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली कंपनी है जिसे चीन ऑपरेट करता है। इसके पास पश्चिमी बलूचिस्तान के दूर-दराज के चगाई रेगिस्तान में सैनडैक कॉपर-एंड-गोल्ड प्रोजेक्ट है।

इस माइन को 2000 के दशक की शुरूआत से चीन की सरकारी कंपनी ''मेटलर्जिकल कॉरपोरेशन ऑफ चाइना'' चला रही है। यह काम सैनडैक मेटल्स के साथ लंबे समय के लीज और जॉइंट-वेंचर समझौते के तहत हो रहा है। माइन को फर्नेस ऑयल, मशीनरी, स्पेयर पार्ट्स और दूसरी जरूरी चीजों के लिए लंबी, खुली सड़कों पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन इस साल की शुरूआत से ही अलगाववादियों के सुनियोजित हमलों ने बार-बार सड़कों को ब्लॉक किया है और पूरे बलूचिस्तान में आवाजाही में रुकावट डाली है। मौजूदा स्थिति ये है कि इस

कंपनी तक आने-जाने वाले ट्रकों का पहुंचना काफी मुश्किल हो गया है। हिंसा की वजह से ट्रक कंपनियां इस इलाके में सामान ले जाने से कतराने लगी हैं। इससे माइन को प्रोडक्शन जारी रखने के लिए जरूरी सामान मिलने पर खतरा पैदा हो गया है।

बलूचिस्तान में चलने वाली चीनी कंपनियों में खौफ

''फाइनेंशियल टाइम्स'' की 15 जुलाई की रिपोर्ट में कहा गया है कि सैनडैक मेटल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर ने पाकिस्तान के एनर्जी मिनिस्ट्री को लिखे एक लेटर में कहा ''राज्य में कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति ने प्रोजेक्ट के जरूरी सामान के यातायात पर बुरा असर डाला है।'' उन्होंने आगे कहा कि मुख्य समस्या सड़क से यात्रा करना है जो लगातार हमलों की वजह से ''बहुत खतरनाक'' हो गई है।

तुर्की के एफ-35 का खौफ...

भारत का दोस्त इजरायल से लेगा ऑपरेशन सिंदूर वाली मिसाइल

एथेंस/तेलअवीव: अमेरिका से तुर्की को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट मिलने की संभावना अब प्रबल हो गई है। तुर्की अपने रूसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को खाड़ी के किसी देश को देने के लिए तैयार हो गया है। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन लगातार डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव डाल रहे हैं कि उन्हें एफ-35 फाइटर जेट दिया जाए। खलीफा एर्दोगन के इस प्लान से पड़ोसी देश ग्रीस टेंशन में आ गया है। एफ-35 के खतरे से निपटने के लिए अब ग्रीस इजरायल की शरण में पहुंच गया है। ग्रीस इजरायल से रैंपेज हवा से सतह में मार करने वाली मिसाइल और सटीक हमला करने वाला स्पाइस बम खरीदने जा रहा है। इन दोनों का ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने जमकर प्रयोग किया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में तुर्की में कहा था कि वह अंकारा को एफ-35 देने पर विचार करेंगे। अमेरिका ने तुर्की के रूस से एस 400 खरीदने पर उसे एफ-35 प्रोग्राम से बाहर कर दिया था। ग्रीस की मीडिया के मुताबिक एथेंस की इजरायली रैंपेज एयर टु सरफेस मिसाइल और स्पाइस बम खरीदने के लिए बातचीत अपने अंतिम चरण में है। ग्रीस इस मिसाइल और बम को अपने एफ-35 फाइटर जेट में इस्तेमाल करना चाहता है। सितंबर में ग्रीस इनका लाइव फायर टेस्ट करने जा रहा है।

ग्रीस के एक्सपर्ट का कहना है कि तुर्की के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 के खतरे से निपटने के लिए एथेंस इजरायल से ये हथियार खरीद रहा है। रैंपेज मिसाइल को इजरायल की कंपनी एल्बिट ने इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्री के साथ मिलकर बनाया है।

यह मिसाइल 150 से 250 किमी तक जमीन पर सटीक हमला करने में सक्षम है। इस मिसाइल ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। भारत ने इस मिसाइल को अपने सुखोई-30 फाइटर जेट में तैनात किया है। इस मिसाइल पाकिस्तान के अंदर आतंकियों के मुरीदके और बहावलपुर में स्थित कैंपों और पाकिस्तानी एयरबेस को तबाह कर दिया था।

बांग्लादेश ने उठाया सार्क को जिंदा करने का मुद्दा, पाकिस्तान की शह पर नई चाल

ढाका: नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मेजबानी में हुई बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन'' के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुखों की बैठक में बांग्लादेश ने सार्क को जिंदा करने का मुद्दा उठाया है। बांग्लादेश ने कहा है कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन को ''बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन'' के साथ ''मिलकर काम'' करना चाहिए। आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध पूरी तरह

से टूट जाने के बाद से सार्क पिछले एक दशक से काफी हद तक निष्क्रिय रहा है। पाकिस्तान लंबे समय से सार्क को जिंदा करने की कोशिश कर रहा है और बांग्लादेश इस मुद्दे पर अब उसके पाले में है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एकेएम शम्सुल इस्लाम (रिटायर्ड) ने कहा ''हमारे साझा क्षेत्र में अन्य क्षेत्रीय सहयोग ढांचों के माध्यम से किए गए अच्छे कामों और एक-दूसरे के पूरक होने की खूबियों का लाभ उठाना भी उतना ही फायदेमंद होगा। इस कमरे में मौजूद ज्यादातर देश सार्क के तहत पिछले चार दशकों में विकसित किए गए नियमों, संस्थानों और व्यावहारिक तंत्रों के गवाह हैं जिनसे विचारों और पहलों में काफी तालमेल बना है।''

'मेरा पति ठरकी नहीं!' पति के किसिंग पर गौतमी ने तोड़ी चुप्पी

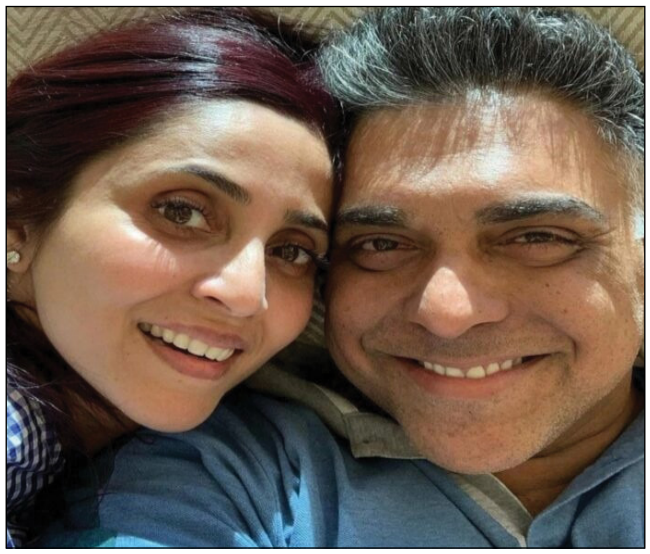

मुंबई : `लॉकअप २' में श्रेया कालरा को गाल पर किस करने के बाद ट्रोलिंग झेल रहे राम कपूर के समर्थन में अब उनकी पत्नी गौतमी कपूर खुलकर सामने आ गई हैं। सोशल मीडिया पर राम को `ठरकी' और `स्लीजी' कहे जाने पर गौतमी ने साफ किया है कि मेरा पति ठरकी नहीं है। उनके मुताबिक, राम का स्वभाव बेहद खुला और भावुक है, वह दिल से फैसले लेते हैं और किसी गलत इरादे से ऐसा नहीं करते। गौतमी ने यह भी इशारा किया कि विवाद इसलिए बढ़ा, क्योंकि बाद में गेम के दौरान राम ने श्रेया का साथ नहीं दिया। हालांकि, दूसरी ओर श्रेया ने राम पर अपनी निजी सीमाएं लांघने का आरोप लगाया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। फिलहाल, इस पूरे मामले पर अलग-अलग राय सामने आ रही है। लेकिन यह साफ है कि राम कपूर की हरकत और उस पर गौतमी का बचाव दोनों ही चर्चा का बड़ा विषय बने हुए हैं।

'बच्चों के हाथ-पैर टूटे', विरोध प्रदर्शन से अमोल पराशर बेचैन

मुंबई : एक्टर अमोल पराशर ने 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के 'चलो संसद' प्रोटेस्ट में शामिल होने का अपना बहुत ही निजी अनुभव शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर कई इमोशनल पोस्ट में एक्टर ने बताया कि वे बिना किसी को बताए चुपचाप प्रोटेस्ट में शामिल हुए थे और उन्होंने छात्रों के बीच सिर्फ एक आम नागरिक के तौर पर खड़े होने का फैसला किया था। CJP इस साल की शुरुआत में हुए NEET-UG क्वेश्चन पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है।

इस अनुभव को 'एक ऐसा दिन जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा' बताते हुए, अमोल पराशर ने इस बात पर बात की कि उन्हें वहां जाने की जरूरत क्यों महसूस हुई, पुलिस की कार्रवाई से पहले और बाद में उन्होंने क्या देखा, और इन घटनाओं ने उन्हें यह सोचने पर क्यों मजबूर किया कि देश के युवाओं के साथ कैसा बर्ताव किया जा रहा है। अमोल पराशर ने अपनी बात इस तरह शुरू की, 'मैं 20 जुलाई, 2026 को जंतर-मंतर पर था। वह दिन मैं कभी नहीं भूलूंगा।' इसके बाद उन्होंने बताया कि कई दिनों से वे विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने की अपनी इच्छा को नजरअंदाज नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, 'पिछले 3-4 दिनों से मेरे मन में एक बेचैनी थी जिसे मैं चाहकर भी दूर नहीं कर पा रहा था। एक मिडिल क्लास भारतीय परिवार में पले-बढ़े होने के कारण, मैं शिक्षा की अहमियत और उसकी कीमत को अच्छी तरह समझता हूं। मैं यह भी जानता हूं कि युवा टैलेंट को सपोर्ट करने वाला एक निष्पक्ष और काबिल सिस्टम देश और समाज के निर्माण के लिए कितना जरूरी है।'

एक्टर ने आगे कहा कि विरोध-प्रदर्शन से पहले के दिनों में छात्रों के भेजे गए मैसेजेस ने, जो प्यार, सम्मान और उम्मीद से भरे थे, उन्हें बार-बार भावुक कर दिया। पुलिस की कार्रवाई से पहले के घंटों को याद करते हुए, पराशर ने बताया कि वहां का माहौल गुस्से वाला नहीं, बल्कि उम्मीदों से भरा था। उन्होंने कहा कि उन्हें सबसे ज़्यादा प्रभावित करने वाली बात प्रदर्शनकारियों का व्यवहार था। इतनी बड़ी भीड़ होने के बावजूद, उन्होंने बताया कि कहीं भी कोई बदतमीजी नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में पले-बढ़े होने के कारण, मैं जानता हूं कि महिलाओं की सुरक्षा के मामले में इस जगह की कैसी छवि है।

पहली मुलाकात में ही 'सबकुछ' हो गया!.. `बॉडी पेंट गर्ल' का शॉकिंग खुलासा

मुंबई : आर्सेनल की चर्चित महिला फैन और एडल्ट कंटेंट क्रिएटर अराबेला मिया एक बार फिर अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। स्टेडियम में बॉडी पेंट पहनकर पहुंचने की वजह से अक्सर वायरल रहने वाली अराबेला ने इस बार ऐसा खुलासा किया है, जिसने गॉसिप गलियारों में हलचल मचा दी है। उन्होंने बताया कि फीफा वर्ल्ड कप के दौरान एक इंग्लैंड पैन ने उनसे बातचीत शुरू की और फिर दोनों की मुलाकात धीरे-धीरे डेटिंग तक पहुंच गई। अराबेला के मुताबिक, पहली मुलाकात के बाद वह पैन उनके साथ बोस्टन से न्यूयॉर्क तक भी गया और दोनों ने साथ में कई यादगार पल बिताए। और पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच `सबकुछ' हो गया था। उन्होंने मुस्कुराते हुए इस पूरे अनुभव को `दिलचस्प और मजेदार' बताया। अराबेला पूरे टूर्नामेंट के दौरान इंग्लैंड टीम को सपोर्ट करती रहीं और सोशल मीडिया के लिए लगातार कंटेंट भी बनाती रहीं। दिलचस्प बात यह रही कि स्टेडियमों में बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रशंसक उन्हें पहचानने लगे थे। उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई। हालांकि, इस दौरान उन्हें एक गलतफहमी का भी सामना करना पड़ा, जब कुछ लोगों ने उन्हें लेकर गलत धारणाएं बना ली थीं। अराबेला पहले भी आर्सेनल के मैचों में बॉडी पेंट पहनकर पहुंचने के कारण कई बार सुर्खियां बटोर चुकी हैं। लेकिन इस बार खेल से ज्यादा चर्चा उनकी नई डेटिंग स्टोरी की हो रही है। सोशल मीडिया पर पैंस भी इस रोमांटिक किस्से को लेकर खूब बातें कर रहे हैं।

पीयूष मिश्रा बाथरूम में फिसलकर गिरे

मुंबई : जाने-माने एक्टर पीयूष मिश्रा एक हादसे में घायल हो गए हैं। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' के डायरेक्टर आकाशआदित्य लामा ने खाल बातचीत में यह जानकारी दी। दरअसल, पीयूष मिश्रा भी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का हिस्सा हैं। उन्हें मंगलवार को डायरेक्टर और एक्ट्रेस खुशाली कुमार के साथ फिल्म के प्रमोशन इवेंट में शामिल होना था। जब पीयूष मिश्रा नहीं पहुंचे, तो डायरेक्टर आकाशआदित्य लामा ने उनके न आने की वजह बताई। उन्होंने दैनिक भास्कर को बताया कि पीयूष मिश्रा अपने घर के बाथरूम में फिसलकर गिर गए, जिससे उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। डॉक्टरों की सलाह पर वे अभी पूरी तरह बेड रेस्ट पर हैं और फिल्म के सभी

प्रमोशन और इवेंट्स से दूर रहेंगे। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' के प्रमोशन इवेंट के दौरान डायरेक्टर आकाशआदित्य लामा ने हादसे के बारे में पूरी जानकारी दी। लामा ने बताया कि कल रात पीयूष मिश्रा के मैनेजर का फोन आया था। मैनेजर ने बताया कि पीयूष जी बाथरूम में गिर गए थे, जिससे उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। इस वजह से अब वह फिल्म के प्रमोशन और इंटरव्यू में शामिल नहीं हो पाएंगे। लंबे समय से बीमार होने के बावजूद वो काम कर रहे थे। डायरेक्टर आकाशदित्य लामा ने बताया कि पीयूष मिश्रा कुछ समय से लगातार बीमार चल रहे थे। इसके बावजूद, एक समर्पित कलाकार की तरह, वे पूरी हिम्मत और सब्र के साथ इवेंट्स और प्रमोशन में हिस्सा लेने की कोशिश कर रहे थे।

मुंबई : करोड़ों खर्च हुए, पर नहीं बदला मुंबई की मीठी नदी का भाग्य, अब भी भरी खर-पतवार, प्लास्टिक और कचरा

मुंबई : मीठी नदी खर-पतवार, प्लास्टिक और कचरे से भर गई है। BMC ने इस साल 10 जून तक मीठी नदी से गाद निकालने की मियाद तय की थी, लेकिन काम नहीं हो पाया। बाद में नए ठेकेदार को जिम्मा सौंपा गया, पर बारिश आने तक सिर्फ 64% गाद ही हटाई जा सकी।

मुंबई की मीठी नदी से पांच मिनट की दूरी पर भारत का सबसे महंगा कारोबारी इलाका बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स है। प्रमुख बैंक, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के साथ-साथ यहीं पर नैशनल स्टॉक एक्सचेंज और बंबई स्टॉक एक्सचेंज भी हैं। यहां दफ्तरों का किराया हर महीने औसतन 350 रुपये प्रति वर्ग फुट है। इसके बावजूद, मीठी नदी बदहाल है।

समस्या जस की तस

2005 की भीषण बाढ़ के बाद सरकार ने मीठी नदी के लिए 3,500 करोड़ रुपये से अधिक का बजट तय किया था। इनमें से तकरीबन 2,200 करोड़ रुपये खर्च भी हो चुके हैं।

नदी अब भी प्रदूषित है। अधिकांश प्रदूषण बिना ट्रीट किए सीवेज से आता है। पानी की गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है। 2020-21 में नदी का वॉटर क्वॉलिटी इंडेक्स 100 में से 44 था। हर साल गाद निकालने, चैनल चौड़ा करने और दीवारें बनाने का काम दोहराया जाता है, लेकिन तय समय पर पूरा नहीं होता और समस्या जस की तस है।

अधूरी परियोजनाएं

पिछले साल मीठी नदी के लिए एक बार फिर कई परियोजनाओं की घोषणा हुई, लेकिन अधिकांश अब भी अधूरी हैं। 455 करोड़ रुपये की सीवेज टनल तैयार है, पर ट्रीटमेंट प्लांट शुरू न होने से बेकार पड़ी है। नदी का प्रबंधन कई एजेंसियों के जिम्मे है। इस कारण समन्वय की कमी बनी रहती है।

दुनिया से सबक

दुनिया के कई शहरों ने साबित किया है कि बदहाल नदियों को दोबारा जीवित किया जा सकता है। सियोल ने 2005 में 50 बरस से दबी चेओंगग्येचेओन धारा को पुनर्जीवित करने के लिए करीब 38 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। 1970 के दशक के अंत तक सिंगापुर ने भी सीवेज व्यवस्था, उद्योगों के स्थानांतरण और सख्त प्रदूषण नियंत्रण के जरिये अपनी प्रदूषित नदी को एशिया के सबसे आकर्षक वॉटरफ्रंट में तब्दील कर दिया।

मुंबईः डिजिटल हेरफेर के आरोपों की साइबर फोरेंसिक जांच की मांग

मुंबईः 'कॉकरोच जनता पार्टी' के इंस्टाग्राम अकाउंट पर फॉलोअर्स की संख्या में कृत्रिम रूप से उतार-चढ़ाव और डिजिटल हेरफेर के आरोपों की साइबर फोरेंसिक जांच की मांग करते हुए मुंबई में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के वकील अरविंद सिंह ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को एक आवेदन सौंपा है। इसमें उन्होंने अधिकारियों से इंस्टाग्राम अकाउंट की साइबर फोरेंसिक जांच करने का आग्रह किया है और आरोप लगाया है कि अकाउंट के फॉलोअर्स की संख्या में बार-बार कृत्रिम रूप से बढ़ोतरी और कमी देखी गई है।

शिकायत के अनुसार, इस अकाउंट पर कई बार फॉलोअर्स

की संख्या में असामान्य उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। इन आरोपों के समर्थन में, शिकायतकर्ता ने मुंबई पुलिस को स्क्रीनशॉट, स्क्रीन रिकॉर्डिंग और एक साइबर एक्सपर्ट द्वारा तैयार की गई ओपन-सोर्स ऑब्जर्वेशन रिपोर्ट सौंपी है।वकील सिंह ने कहा कि अगर किसी सोशल मीडिया अकाउंट की लोकप्रियता को कृत्रिम रूप से बढ़ाया जाता है, तो इससे न केवल आम जनता बल्कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी गुमराह हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों का पता लगाने के लिए एक तकनीकी और निष्पक्ष जांच जरूरी है।उन्होंने साफ किया कि इस शिकायत का मकसद किसी व्यक्ति या संगठन पर सीधे आरोप लगाना नहीं है, बल्कि उपलब्ध डिजिटल सबूतों के आधार पर एक स्वतंत्र साइबर फोरेंसिक जांच करवाना है। उनके अनुसार, ऐसी जांच से पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों का भरोसा बनाए रखने में मदद मिलेगी।शिकायतकर्ता ने आगे कहा कि मुंबई पुलिस ने शिकायत के सिलसिले में बयान दर्ज करने के लिए उनकी लॉ फर्म को नोटिस भेजा था। हालाँकि, बाद में पुलिस ने अधिकार क्षेत्र से जुड़ी प्रक्रियाओं का हवाला देते हुए उन्हें इंतजार करने को कहा। उन्होंने बताया कि मामले की अभी जांच चल रही है।

मुंबई: राशन कार्ड से वंचित लोगों के लिए अभियान, 22 जुलाई से शुरू होगा विशेष अभियान

मुंबईः महाराष्ट्र में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा स्कीम से वंचित लोगों के लिए अच्छी खबर है। जिन लोगों के राशनकार्ड नहीं हैं, उन पात्र लाभार्थियों के लिए 22 से 31 जुलाई तक राज्य में एक विशेष मुहिम चलाई जाएगी। इसके लिए कैंप लगाए जाएंगे, जिसमें पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड बांटे जाएंगे। यह घोषणा खाद्य आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने की है। मंत्री भुजबल ने राज्य के पात्र नागरिकों से इस खास कैंप का फायदा उठाने और जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा करने की अपील की है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजीत पवार की जयंती के मौके पर पूरे राज्य में 22 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक स्पेशल कैंप लगाए जाएंगे। इस विशेष मुहिम के जरिए

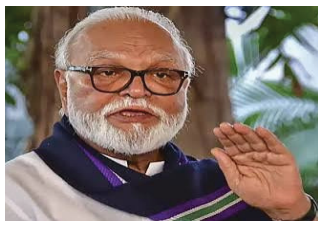

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट, 2013 के तहत उपलब्ध कोटे की लिमिट के अंदर पात्र लाभार्थियों को नए राशन कार्ड दिए जाएंगे।

इस विशेष कैंप के दौरान पात्र लाभार्थियों से आवेदन लेने, उन्हें तुरंत वेरिफाई करने, पात्रता तय करने और संबंधित जिले को उपलब्ध कोटे की लिमिट के अंदर नए राशन कार्ड मंजूर करके बांटने का काम किया जाएगा, ताकि एक भी पात्र लाभार्थी योजना के फायदों से वंचित न रहे।

मुंबई: रियल एस्टेट को नई रफ्तार देने की तैयारी, महाराष्ट्र में आएगा डेल्टा कानून...

मुंबईः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रियल एस्टेट में लेटेंट वैल्यू को ध्यान में रखते हुए जनता की भलाई के लिए एक नया डेल्टा (महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन एंड एक्सचेंज ऑफ लैंड टोकन एसेट्स) कानून प्रस्तावित करने का निर्देश दिया है। इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। उन्होंने कहा है कि इस कानून में प्रॉपर्टी की 'लेटेंट वैल्यू' यूटिलिटी की पावर होनी चाहिए। डेल्टा कानून का ड्राफ्ट पेश करने के लिए सोमवार

को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स'ाद्री गेस्ट हाउस में एक बैठक हुई। इसमें संबंधित विभागों के मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को साल 2030 तक 'एक ट्रिलियन डॉलर' की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य हासिल करते हुए आय के नए सोर्स डेवलप करने होंगे। उन्होंने डेल्टा कानून बनाने के लिए SEBI BSC, NSC और इस फील्ड के एक्सपर्ट्स व अनुभवी लोगों की एक कमेटी बनाने का निर्देश दिया है. इस कानून में प्रॉपर्टी की 'लेटेंट वैल्यू' यूटिलिटी की पावर होनी चाहिए। भविष्य में प्रॉपर्टी को टोकन देकर जमीन की वैल्यू बढ़ाई जाएगी, जिससे आय का जरिया बनेगा।

ठाणे जिले में खेल महोत्सव शुरू, छात्रों को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का मौका...

ठाणेः साल 2026-27 के लिए ठाणे जिले में स्कूल स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन का आयोजन फॉर्मली शुरू हो गया है, और इन प्रतियोगिता का बिगुल बज चुका है। जिला खेल परिषद की एक जरूरी मीटिंग जिलाधिकारी और जिला खेल परिषद के चेयरमैन डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय में हुई। इस मीटिंग में आने वाले तहसील, जिला संभाग, और राज्यस्तरीय के स्कूल खेल प्रतियोगिता के बहुत असरदार आयोजन, विस्तृत रूप और सख्ती

से लागू करने पर विस्तार में चर्चा हुई। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने आने वाले स्पर्धा के सफल आयोजन के लिए हर तरह से जरूरी तैयारी करने, अलग-अलग सरकारी और स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के बीच अच्छा तालमेल बनाए रखने, स्पर्धा की जगहों को ठीक से तैयार करने और हिस्सा लेने वाले एथलीट को सभी जरूरी सुविधाएं देने के लिए इन बातों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने मौजूद अधिकारियों और सदस्यों को सभी प्रतियोगिता समय पर और बहुत प्लान किए गए तरीके से कराने के लिए गाइड किया।जिले के सभी स्कूलों, स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन और संबंधित डिपार्टमेंट से अपील की गई कि वे इन प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा स्टूडेंट्स और एथलीट्स को शामिल करने के लिए समन्वय से काम करें।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com